संवाद पत्र पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक: 23 वर्ष : छठा मालीगांव, गुवाहाटी - 781 त्रैमासिक जुलाई, 2012

श्री ए.के. वर्मा, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने पू.सी. रेल/निर्माण का दोहरा कार्यभार ग्रहण किया।

पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे श्री राधे श्याम, महाप्रबंधक/सी.एल.डब्ल्यू. का मेट्रो रेल, कोलकाता पर स्थानांतरण होने पर श्री ए.के. वर्मा, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने दिनांक 01.06.2012 (पूर्वाह्न) को पू.सी. रेल/निर्माण का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। आप इससे पहले मध्य रेल में मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के पद पर कार्यरत रहें। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकानिकल इंजीनियर (आई.आर.एस.एम.ई.) के अधिकारी संवर्ग में आप ने अपनी लंबी सेवा के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय रेलों यथा-मध्य, उत्तर, उत्तर पश्चिम और उत्तर पूर्व रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। आप "फ्यूल इफीशियन्ट ड्राइविंग टेक्निक्स" तथा जी. ई. लोकोमोटिव के सिलसिले में अमेरिका, इंग्लैंड तथा कनाडा का दौरा भी कर चुके हैं। आप वर्ष 2006 में पेरिस में आयोजित "स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट प्रोग्राम" संबंधी कार्यशाला में भी सम्मिलित हुए।

पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण, सिविल इंजीनियरी निर्माण शील्ड से पुरस्कृत

वर्ष 2011-12 की लक्षित परियोजनाओं को पूरा करने की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन को रेलवे बोर्ड द्वारा सिविल इंजीनियरिंग निर्माण शील्ड प्रदान किया गया।

वित्त आयुक्त, रेलवे बोर्ड का दौरा

श्रीमती विजया कान्त, वित्त आयुक्त, रेलवे बोर्ड ने दिनांक 05.05.2012 को पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) का दौरा किया। वर्ष 2011-12 में पूरी की गई परियोजनाओं को चालू करने की योजना तथा वर्ष 2012-13 के दौरान पूरी की जाने वाली परियोजनाओं की स्थिति पर एक प्रस्तुति दी गई और इनके लिए पर्याप्त निधि उपलब्ध कराने की बात उठाई गई। वित्त आयुक्त ने निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अच्छे कार्यों की सराहना करते हुए एक लाख रूपए पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री ए.के. वर्मा	श्री अरविंद कुमार	श्री पी. के. सिंह	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/नि

रेल सप्ताह, 2012 का आयोजन

पूर्वोत्तर सीमा रेल व निर्माण संगठन का 57वां क्षेत्रीय रेल सप्ताह समारोह दिनांक 10.04.2012 को रंग भवन, मालीगांव में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। श्री केशव चंद्रा, महाप्रबंधक/पू.सी.रेल तथा श्री राधे श्याम, तत्कालीन महाप्रबंधक,पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। श्री राधे श्याम, महाप्रबंधक/ निर्माण ने उत्कृष्ट सेवा के लिए 61 व्यक्तिगत नकद एवं 6 सामूहिक नकद पुरस्कार प्रदान किए। इस समारोह में इंजीनियरी शील्ड संयुक्त रूप से उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/ रंगिया, उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण न्यू जलपाईगुड़ी तथा उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जिरिबाम-1 को दी गई। नॉन-इंजीनियरी शील्ड संयुक्त रूप से वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि/मालीगांव, उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/न्यू जलपाईगुड़ी तथा उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि/मालीगांव को दी गयी।

आतंकवाद विरोधी दिवस

पूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में दिनांक 21.5.2012 को निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री ए. एस. गरूड़, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी /निर्माण/1 ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिलाई।

महाप्रबंधक/निर्माण का बोगीबिल दौरा

श्री ए.के. वर्मा, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 15.06.2012 को बोगीबिल रेल-सह-सड़क पुल परियोजना स्थल का दौरा किया और विभिन्न स्तरों पर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरे में श्री ए.एस. गरूड़, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण-1, श्री अजित पंडित, मुख्य इंजीनियर/ निर्माण-1, श्री महिंदर सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/डिब्रूगढ़ तथा निर्माण संगठन के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण महाप्रबंधक/ निर्माण के साथ थे।

गृह सचिव, भारत सरकार द्वारा परियोजना की प्रगति हेतु समीक्षा बैठक

नई दिल्ली में दिनांक 24.4.2012 को गृह सचिव, भारत सरकार द्वारा जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना की प्रगति हेतु समीक्षा बैठक की गई, जिसमें महाप्रबंधक/निर्माण, मुख्य इंजीनियर/नि/7 एवं ई.डी./वर्क्स, रेलवे बोर्ड सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान गृह सचिव को परियोजना की स्थिति से अवगत कराया गया और उल्लेख किया गया कि जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना का कार्य वर्ष 2010-11 के दौरान 8 माह तथा वर्ष 2011-12 के दौरान 5 सहित कुल 13 माह बुरी तरह से प्रभावित रहा। यह भी ध्यान में लाया गया कि 5 राष्ट्रीय परियोजनाएं (रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन, लामडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन, बोगीबिल पुल परियोजना, जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना और अगरतला-सबरूम नई लाइन) प्रगति पर हैं परन्तु निधि नियंत्रण से कार्य प्रगति प्रभावित हुई है। गृह सचिव ने आश्वस्त किया कि पूर्वोत्तर की ये परियोजनाएं निधि नियंत्रण के कारण प्रभावित नहीं होंगी तथा पर्याप्त निधि आबंटन हेतु वे इस मुद्दे को संबंधित विभागों के समक्ष उठाएंगे।

स्वागत

श्री ए.एस. गरूड़ ने दिनांक 24.04.2012 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-1 का पदभार ग्रहण किया।

श्री आनंद प्रकाश ने दिनांक 19.04.2012 को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/निर्माण-1 का पदभार ग्रहण किया।

श्री सुरिंदर कुमार दिनांक 21.05.12 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण/6/पी एवं डी के पद पर पदस्थापित हुए।

भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर का जयंती समारोह

भारत रत्न, बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के 121वें जन्मदिन के अवसर पर दिनांक 06.04.2012 को निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पमाला एवं पुष्पांजलि देकर जयंती समारोह मनाया।

सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड द्वारा समीक्षा बैठक

सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 12.04.2012 को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण-2 सम्मिलित हुए, जिसमें वर्ष 2012-13 की लक्षित नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण कार्यों की स्थिति तथा वर्ष 2011-12 में पूरी की गई परियोजनाओं को चालू करने हेतु विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड द्वारा वर्ष 2012-13 की लक्षित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दिए गए निदेशों पर अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जा चुकी है।

पदस्थापन

श्री अरविंद कुमार, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/निर्माण/सर्वे ने दिनांक 5.6.2012 से मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का पदभार ग्रहण किया।

दिनांक 31-03-2012 को श्री जगन्नाथ, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/नि. की सेवानिवृत्ति पश्चात रिक्त हुए पद पर *श्री पी. के. सिंह*, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि. ने दिनांक 11-04-2012 से उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का पदभार ग्रहण किया।

श्री बी.एन. भारकर, उप मुख्य इंजीनियर/टी.के./मालीगांव दिनांक 23.04.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण मालीगांव के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री आर.के. बादल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/नि/रंगिया दिनांक 26.04.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जोगीघोपा के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री पी.जे. शर्मा, उप मुख्य इंजीनियर/टीएमसी/मालीगांव दिनांक 11.05.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/ नॉर्थ लखीमपुर के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री एस कनौजिया, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/नॉर्थ लखीमपुर दिनांक 11.05.2012 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/नॉर्थ लखीमपुर-1 के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री मदन सैन, मुख्य इंजीनियर/निर्माण/6 (पी एवं डी) दिनांक 25.05.2012 को मुख्य इंजीनियर/नि/2 के पद पर पदस्थापित हुए।

स्थानांतरण

श्री एस.पी. यादव, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण मालीगांव का दिनांक 23.04.2012 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/नि/लामडिंग के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री नवीन प्रकाश, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जोगीघोपा का दिनांक 26.04.2012 को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/नि/रंगिया के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री एस. एस. कालरा, मुख्य इंजीनियर/नि/2 का दिनांक 22.05.2012 को रेलवे स्टाफ कालेज, वडोदरा में सीनियर प्रॉफेसर (सिविल इंजीनियरी) के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री आर.के. गुप्ता, उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि का दिनांक 25.05.2012 को सीईएसई/पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।

रीजनल परमानेंट को-ओर्डिनेशन फ्रेम वर्क की बैठक का आयोजन

मुख्यालय पूर्व कमान, कोलकाता, द्वारा सामरिक लाइनों की प्रगति की समीक्षा के लिए कोलकाता में दिनांक 23.04.2012 को आयोजित रिजनल परमानेंट को-ओर्डिनेशन फ्रेम वर्क की 5वीं बैठक में सेना की ओर से कमांडिंग ऑफिसर, पूर्व कमान और रेलवे की ओर से महाप्रबंधक/ निर्माण एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि/2 सम्मिलित हुए।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

जिरिवाम से तुपुल तक नई बी जी लाइन (98 कि.मी.)

तुपुल-इंफाल सेक्शन में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है और रेलवे बोर्ड में भेजने हेतु विस्तृत प्राक्कलन अंतिम चरण में है। 1160.56 हेक्टेयर भूमि में से 654.462 हेक्टेयर भू-अधिग्रहण, 439.61 लाख क्यूबिक मीटर में से 220.52 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 84.0 कि.मी में से 7.40 कि.मी फार्मेशन, 89 में से 34 छोटे पुल, 5 में से 5 आर.ओ.बी./आर.यू.बी तथा 37623 मीटर में से 978.00 मीटर सुरंगीकरण का कार्य अब तक पूरा किया गया।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल :

पुल के उत्तरी तट पर तटबन्ध, छोटे एवं बड़े पुलों तथा स्टेशन निर्माण कार्य पूरा किया गया और पुल के दक्षिण तट पर कार्य प्रगति पर हैं। वन क्षेत्र में आने वाले साऊथ डाइक के 3 कि. मी. को छोड़कर उत्तरी एवं दक्षिणी डाइकों का उत्थान एवं मजबूतीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 3 कि. मी. के लिए भी ठेका दे दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। बोगीबिल रेल सह सड़क मुख्य पुल अधिसंरचना के लिए मेसर्स एचसीडी-बीएनआर को दिनांक 23.11.11 को ठेका दिया जा चुका है।

तेतेलिया से बरनीहाट तक नई बीजी लाइन (21. 50 कि. मी.) (आजरा-बरनीहाट नई लाइन का वैकल्पिक संरेखण)

तेतेलिया से बरनीहाट तक फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 05-08-10 को कुल 384.04 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है। सभी 12 भू-अधिग्रहण मामलों के लिए अधिसूचना जारी की गई। 8 मामलों में भू-अर्जन प्राक्कलन अनुमोदित की जा चुकी है। सभी 12 मामलों में सरकारी जमीन प्राप्त की जा चुकी है। मेघालय भाग के लिए सेक्शन 4 (1) के अधीन अधिसूचना जारी की गई।

दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा)तक नई लाइन (88 कि.मी.)

जमीन पर संरेखण के स्टैकिंग सहित दिमापुर से कोहिमा 125 कि.मी. तक संपूर्ण लम्बाई के लिए एफ एल एस पूरा किया जा चुका है। भू-तकनीकी जाँच प्रगति पर है। रेलवे बोर्ड ने मई, 10 में इस कार्य को आर वी एन एल को सौंपने का निर्णय लिया था। यद्यपि अब तक आर वी एन एल द्वारा कार्य निष्पादन हेतु कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। रेलवे बोर्ड के दिनांक 15-04-11 के पत्र के तहत पुन: यह निर्णय लिया गया कि पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण द्वारा परियोजना निष्पादित की जाएगी। अब तक 45.0 कि.मी. भू-तकनीकी कार्य पूरा किया गया।

अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

अगरतला से सबरूम तक सम्पूर्ण लम्बाई के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य तथा भूमि पर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। भू-तकनीकी जाँच भी पूरी कर ली गई है। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 352.95 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है। उदयपुर से सबरूम तक शेष 66.0 कि.मी. सेक्शन के लिए कुल 777.67 करोड़ रूपए का पार्ट-III विस्तृत प्राक्कलन भी रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 23-11-2010 को स्वीकृत किया जा चुका है। त्रिपुरा सरकार को भू-अधिग्रहण हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा रहे हैं। कुल 6 प्रस्तावों में से 1 सेक्शन 4 (1) के अधीन, 1 सेक्शन 6 (1) के अधीन प्रकाशित किए गए तथा अन्य 4 प्रस्तावों को शीघ्र अधिसूचित करने की संभावना है। उदयपुर-सबरूम सेक्शन हेतु निविदा प्रक्रियाधीन है।

भैरवी से सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन

भैरवी-सैरंग (51.38 कि.मी.) नई बीजी लाइन हेतु फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा किया जा चुका है। कि.मी. 0.575 से कि.मी. 42.247 तक भू-अधिग्रहण की धारा 4 के अधीन गजट अधिसूचना प्रकाशित की गई। उपायुक्त/आइजोल ने भू-अधिग्रहण प्रस्ताव सचिव, राजस्व, मिजोरम सरकार को दिनांक 01-08-2011 को सुपुर्द कर दिया। रेलवे बोर्ड ने दिनांक 01-09-2011 को कुल 2384.34 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (50.87 कि.मी.)

पू. सी. रेल, निर्माण द्वारा सेवक-रंगपो का संशोधित संरेखण अनुमोदित कर दिया गया तथा सेवक यार्ड के संशोधित लोकेशन को भी अनुमोदित किया गया। रंगपो यार्ड की नव प्रस्तावित तथा प्रतिस्थापित लोकेशन को अनुमोदन हेतु सिक्किम सरकार को अग्रेषित किया गया है। कि.मी. 5 से 41.50 तक सर्वेक्षण हेतु वन विभाग से अनुमति प्राप्त की जा चुकी है। सुरंग संख्या 2 से सुरंग संख्या 6 तथा महत्वपूर्ण पुलों सहित सेवक से तिस्ता पुल (18.50 कि. मी.) के बीच भू-तकनीकी जाँच हेतु निविदा को अंतिम रूप दिया गया तथा कार्य प्रगति पर है। इरकॉन द्वारा दिनांक 16-07-10 को संरेखण अभिकल्प एवं भू-वैज्ञानिक मानचित्रण के लिए ठेका प्रदान किया जा चुका है।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

यह नया कार्य 4083.02 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत पर 2010-11 के रेल बजट में सम्मिलित किया गया है। बरनीहाट-शिलांग नई लाइन परियोजना के अंतर्गत बरनीहाट से लईलाड सेक्शन (19.10 कि.मी.) के लिए कुल 880.95 करोड़ रूपए का पार्ट-II विस्तृत प्राक्कलन रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 13-04-2011 को स्वीकृत किया गया। खासी स्टूडेंट यूनियन ने राज्य सरकार के साथ अपने लम्बित मामलों के कारण नवंबर, 2010 से एफ एल एस कार्य को जबर्दस्ती रूकवा दिया है। मामले की जानकारी राज्य सरकार को दे दी गई है। शिलांग में दिनांक 17-09-2011 को रेल परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा के लिए नव- गठित टॉस्क फोर्स के साथ भू-अधिग्रहण मामले के निपटान के लिए बैठक हुई। भू-अधिग्रहण तथा एफ एल एस का मामला अभी भी सुलझा नहीं है।

लमडिंग-सिलचर-जिरिवाम, बदरपुर से बरईग्राम और बरईग्राम-कुमारघाट आमान परिवर्तन (367.79 कि.मी.)

लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत एक नव-निर्मित सुरंग सं. 3 (535.0 मी.) और बोइला नदी पर एक बड़े पुल सं.102 सहित 1.46 कि.मी. लम्बी स्थायी विपथन जिसे पहले ही चालू किया जा चुका था, इस माह ओपन लाइन को सुपुर्द कर दिया गया। परियोजना के अंतर्गत सालछापरा और अरूणाचल स्टेशनों के बीच पुल संख्या 26 से होकर कि.मी. 16/2-3 से कि.मी. 17/5-6 तक लगभग 1.294 कि. मी. लम्बे हाल ही में जोड़े गए स्थायी विपथन को सी आर एस निरीक्षण और उनके अनुमोदन उपरांत दिनांक 05-06-2011 को चालू कर दिया गया।

लिंक फिंगर्स सहित रंगिया-मुकोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

10 स्टेशनों के स्टेशन भवन और आर बी जी कक्षों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। 3 पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) एवं एक पुल (30.50 मीटर के 4 स्पॉन) के स्टील गर्डरों के फेब्रीकेशन के लिए कार्य आदेश साबरमती रेलवे वर्कशॉप को दे दिया गया है और फेब्रीकेशन प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन
(करोड़ रूपये में)

2010-2011 में निष्पादन

- खर्च = 2223.22

2011-2012 का परिव्यय

- मांग - 16 = 2179.33
- निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय) = 0.09

कुल = 2179.42

2011-2012 का खर्च

- मार्च, 12 के दौरान खर्च (लगभग) = 285.33
- मार्च, 12 तक संचयी खर्च (लगभग)= 2234.35 करोड़ रूपये
- परिव्यय का खर्च (%) = 102.52 %

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
◆ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण सुविधा का विकास	90%	निधि की अनुपलब्धता तथा साइट क्लियरेंस के कारण कार्य बंद पड़ा है।
◆ न्यू बंगाईगांव-वर्कशाप आरसीसी बाउंडरी वॉल	73%	3500 आरएम में से 2400 आरएम तक तथा 2.40 किमी पथ-वे में से 2.4 मीटर पथ-वे कार्य पूरा हुआ। दिनांक 7.6.10 से कार्य बंद है। आर एंड सी कार्य प्रगति पर है।
◆ सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार	87%	31.08.2011 कार्य प्रगति पर है।
◆ सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	100%	31.3.11 कार्य पूरा हुआ और चालू किया गया।

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
◆ पानीटोला-डिब्रूगढ़ टाउन: स्टन्डर्ड III पैनल इन्टरलॉकिंग तथा एम.ए.सी.एल. द्वारा सिगनलों का अपग्रेडेशन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)	पानीटोला से लाहोअल तक 4 स्टेशनों पर कार्य शुरू किया। डिब्रूगढ़ टाउन में पी.आई कार्य दिनांक 16.12.2010 को चालू किया गया।	कार्य पूरा हुआ।
◆ न्यूजलपाईगुड़ी - बारसोई - मालदा टाउन व बारसोई - कटिहार मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	कटिहार मंडल तथा अलीपुरद्वार मंडल के 'पे साइड सिस्टम' क्रमश: दिनांक 26.05.10 तथा 9.6.10 को ओपन लाइन को सौंप दिए गए।	कार्य पूरा हुआ।
◆ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी : मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन	पू.सी.रेल, मालीगांव का मोबाइल स्विचिंग केंद्र तथा रंगिया मंडल का 'पे साइड सिस्टम' देख-रेख हेतु क्रमश: 25.03.10 तथा 30.03.10 को ओपन लाइन को सौंप दिया गया।	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।

वर्ष 2011-12 के लक्षित कार्य

- मैनागुड़ी रोड से न्यू चेंगराबांधा नई लाइन
- हारमुती से नाहरलागुन नई लाइन
- रंगिया से रंगापाड़ा नॉर्थ आमान परिवर्तन
- न्यूमाल जंक्शन से मैनागुड़ी रोड आमान परिवर्तन

पूरे किए गए सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति
1.	पासीघाट-तेजु-परसुरामकुंड (नई लाइन)	2010-11	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	100%
2.	मिसामारी-तवांग (नई लाइन)	2010-11	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	100%
3.	न्यू बंगाईगांव-रंगिया-कामाख्या (दोहरीकरण)	2011-12	असम	100%
4.	न्यू बंगाईगांव से कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा	2011-12	असम	100%
5.	सिलघाट से तेजपुर	2011-12	असम	100%

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिन पर हार्दिक बधाई

05 जुलाई, श्री सुशील कुमार, उप मुख्य इंजी./नि/अलीपुरद्वार/1
08 जुलाई, श्री टी.टी. भूटिया, उप मुख्य इंजीनियर/नि/जिरिबाम/2
08 जुलाई, श्री जी.सी. सरकार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/रंगिया
14 जुलाई, श्री के.एस. सुनिला, वि. स. एवं मुलेधि/नि
31 जुलाई, श्री एस.पी. देशमुख, उप मुख्य इंजी./नि/जिरिबाम/1
01 अगस्त, श्री हरपाल सिंह, मुख्य इंजीनियर/नि/मुख्यालय
06 अगस्त, श्री अभिजित मजुमदार, उप मु. इंजी./नि/अभिकल्प-2
06 अगस्त, श्री अशोक कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलचर
04 सितंबर, श्री आर.एस. सिंह,उप मु. बिजली इंजी./नि/एन.जे.पी
05 सितंबर, श्री ए.एस. गरूड़, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि/1
07 सितंबर, श्री अजित पंडित, मुख्य इंजीनियर/नि/1
13 सितंबर, श्रीमती जी. चंद्रमौली, उप वि. स. एवं मुलेधि/नि/2

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

निर्माण संगठन के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए दिनांक 4.6.2012 से 8.6.2012 तक 5 दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियमों, वार्षिक कार्यक्रम तथा राजभाषा संबंधी प्रोत्साहन/पुरस्कार योजनाओं की जानकारी दी गई और कर्मचारियों को टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा कार्यालयीन हिंदी व प्रशासनिक एवं रेल शब्दावली के बारे में भी जानकारी दी गई।

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन में मई तथा जून, 2012 में सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए इन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यालय/विभाग	सेवानिवृत्ति माह
1.	श्री लालजी	सीनियर ट्रॉलीमैन /नि	उप मुख्य इंजी/नि/न्यू जलपाईगुड़ी	मई,2012
2.	श्रीमती पूर्णिमा विश्वास	रिकार्ड सॉर्टर/नि	उप मु.इंजी/नि/योजना/मालीगांव	मई,2012
3.	मुहम्मद रहमान अली	सीनियर.ट्रैकमैन /नि	उप मुंजी/नि/रंगिया	मई,2012
4.	सैयद जमशेद अली	ट्रैकमैन/नि	उपमुंजी/नि//मालीगांव	जून,2012
5.	श्री मजा राम नाथ	सीनियर ट्रैकमैन /नि	उपमुंजी/नि//मालीगांव	जून,2012

कामाख्या देवस्थान का विश्वप्रसिद्ध अम्बुवासी मेला

पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार असम राज्य के गुवाहाटी शहर में नीलाचल पर्वत पर स्थित विश्व प्रसिद्ध महातीर्थ शक्तिपीठ कामाख्या धाम में तीन दिवसीय महा अंबुवासी मेला हर वर्ष आयोजित किया जाता है जिसमें संपूर्ण भारत के कोने-कोने से यात्री आते हैं। यहाँ तक कि इस मेले में अमेरिका,अस्ट्रेलिया जैसे देशों से भी विचित्र-विचित्र वेशभूषा में साधुओं को देखा जाता है। भक्तों में नेपाल नरेश और जाने-माने अन्य प्रसिद्ध व्यक्ति अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए हर वर्ष माँ की पूजा करने यहाँ आते हैं। इस समय यहाँ एक लघु भारत के रूप में अनेकता में एकता का समावेश होता हैं। खासकर, कामाख्या मन्दिर के प्रतिस्थापक राजा नरनारायण एवं चिलाराय के प्रदेश बंगाल के कूचबिहार से हिन्दु बंगाली लाखों की तादाद में माँ कामाख्या के दर्शन हेतु अम्बुवासी मेले में आते हैं। इस मौके पर कामाख्या मन्दिर को विशेष रूप से फूलों और बिजली की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अलावा मन्दिर के चारों ओर लाल झंडे लहराते नजर आते हैं, मानो नई नवेली दुल्हन सज-धज कर खड़ी हो। इस छोटी सी पहाड़ी नीलाचल पर 10 लाख से भी अधिक संख्या में मेलार्थी प्रतिवर्ष माँ कामाख्या के इस पवित्र ऋतुधर्म के रजस्वला उत्सव पर प्रवृत्ति से निवृत्ति (समापन) तक पूरे चार दिन के बाद पूजा के उपरान्त माँ के दर्शन के लिए आते हैं। पाठकों के मन में यह उत्सुक्ता जरूर हो रही होगी कि क्या है यह अम्बूवासी मेला? अम्बुवासी मेला प्रतिवर्ष जून महिने की 22 तारीख से प्रवृत्त होकर 25 तारीख तक चलता है। अंबू का अर्थ है-पानी तथा वासी अथार्त वास करने वाली। तात्पर्य यह है कि मंदिर के गर्भपीठ में पानी अवस्थित होता हैं। मंदिर का पंडा आने वाले भक्तों को गर्भपीठ से निरन्तर बहनेवाली अंबू का अर्थ है पानी का स्पर्श कराकर निम्न मंत्र का पाठ कराता है-

"कामाक्ष्ये बरदे देवी, नील पर्वत वाशीनी,
तं देवी जगतमाता,योनी मुद्रे नमस्तुते।"

आश्चर्य की बात तो यह है कि इतनी ऊंची पहाड़ी की चोटी पर गर्भपीठ में ना कोई झील है,ना कोई कुआँ है, पर यह पानी आता कहाँ से है? यह कभी क्यों नहीं सूखता है। यहाँ भगवती की योनि अंग की पूजा की जाती है। शास्त्र के अनुसार- भगवती सती पार्वती का जन्म दक्ष प्रजापति की कन्या सती के रूप में हुआ था और भगवान शंकर के साथ विवाह हुआ था। एक बार दक्ष प्रजापति ने एक विराट महायज्ञ का आयोजन किया तथा उसमें सभी देवताओं को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। परन्तु मना करने पर भी सती द्वारा भगवान शंकर साथ के विवाह करने के कारण दक्ष प्रजापति अति नाराज हो गए और उन्हें अपमानित करने के मंतव्य से राजा दक्ष ने अपनी पुत्री सती और दामाद शंकर को यज्ञ में निमंत्रण नहीं भेजा। इस पर सती ने महायज्ञ में जाने और मायके के रिश्तेदारों से मिलने के लिए हठ किया। देवी ने क्षणभर में ही अपने शरीर से अपनी अंगभूता दस महादेवियों को प्रकट कर शंकर भगवान के चारों ओर से घेर लिया। इन्हें काली, तारा, कमला, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता,सोड़षी, त्रिपुरासुन्दरी, बगलामुखी, धुमावती तथा मातंगी के रूप में पूजा जाता है। इन महादेवियों के रूप धारण करने और सती के स्त्रीहट को देख कर शंकरजी ने सती को अनिच्छापूर्वक पितृगृह जाने के लिए अनुमति दे दी। परंतु पितृगृह में सती का स्वागत करना तो दूर, किसी ने उनसे बात तक भी नहीं की। उनसे अपमानजनक बातें कर शंकर भगवान की निन्दा भी की गई। उधर पति से लड़ कर महायज्ञ में भाग लेना और पितृगृह में पति के घोर अपमान से सती का हृदय ग्लानि,क्रोध और विक्षोभ से भर गया। इस अपमान के कारण सती से रहा नहीं गया तथा उन्होने यज्ञकुंड में कूदकर अपने शरीर की आहूति दे दी।

भगवान शंकर ने अपने दिव्य चक्षु से यह हृदयविदारक दृश्य देखा तो रूद्र रूप धारण कर दक्ष प्रजापति के यहाँ जाकर उनके यज्ञ को तहस-नहस कर दिया और सती के जले हुए शरीर को कंधे पर लेकर विनाशकारी और प्रलयकारी तांडव करते हुए घूमने लगे। इससे डर कर सभी देवताओं ने भगवान विष्णु को इस बारे में अवगत कराया और इससे छुटकारा दिलाने के लिए प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के टुकड़े- टुकड़े कर दिए। सती के शरीर से कटे हुए 51 टुकड़े जहाँ-जहाँ पृथ्वी पर गिरे वहाँ शक्तिपीठ की स्थापना हो गई तथा संपूर्ण भारत में मां की विभिन्न रूपों में पूजा होने लगी। असम के नीलाचल पर्वत पर सती का योनि अंग गिरा था और यहाँ योनी पीठ स्थापित हुआ इसलिए यहाँ रजस्वला के अवसर पर तीन दिवसीय अम्बुवासी मेला मनाया जाता है।

भारत में यही एक शक्ति पीठ है जहाँ कुमारी की पूजा की जाती है और इस दौरान माँ कामाख्या के रूप में कुमारियों को भोजन, वस्त्र, साज-श्रृंगार आदि दिया जाता है व अलता, सिंदूर, प्रसाद, नारियल चढ़ा कर मंत्र पाठ द्वारा पूजा की जाती है और चौथे दिन मंदिर का द्वार खुलते ही पंडा अपने भक्तों को विधिवत पूजा कराता है। पूजा के अंत में पंडा भक्तों को मन्दिर प्रदक्षिण कराता है और पंडा भक्तों को अपने घर ले जाकर खिला-पिला कर भक्तों को रजस्वला रूपी लाल वस्त्र का टुकड़ा माँ के आशीर्वाद के रूप में प्रदान करते है, जिसे भक्त ताविज बना कर कवच के रूप में धारण करते हैं। मान्यता है कि जो यह वस्त्र धारण करते हैं उन्हें बाधा विघ्न से निजात तथा रोग व्याधि से मुक्ति मिलती है। वे धन-ऐश्वर्य से वैभवमय रहते हैं।

- मुन मुन शर्मा
राजभाषा अधीक्षक/नि

श्रद्धांजलि

श्री सुबोध देवनाथ, रिकर्ड सॅटर/निर्माण का दिनांक 27.4.2012 को देहांत हो गया। दिवंगत देवनाथ की आत्मा की शांति के लिए निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में दिनांक 4.05.2012 को शोक सभा आयोजित की गई।

श्री रत्न कान्त वश्य, लेखा सहायक/निर्माण का दिनांक 06.06.12 को देहांत हो गया। दिवंगत रत्न कान्त वश्य की आत्मा की शांति के लिए निर्माण संगठन के कार्यालय परिसर में दिनांक 12.06.2012 को शोक सभा आयोजित की गई।

निर्माण संगठन का नव-निर्मित विश्राम गृह

रंगाली बिहु का आयोजन

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्वोत्तर सीमा रेल, ओपन लाइन तथा निर्माण संगठन द्वारा दिनांक 13 से 17 अप्रैल तक मालीगांव रेलवे स्टेडियम में ने रंगाली बिहु हर्षोल्लास से मनाया गया। श्री केशव चन्द्रा,तत्कालीन महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बिहु नृत्य के अलावा असम के विभिन्न समुदायों ने अपने-अपने लोक नृत्य भी प्रस्तुत किए।

जिरिबाम-इंफाल नई लाइन परियोजना के अंतर्गत हाल ही में पूरे किए गए जिरिबाम-धोलाखाल में इंजन चलने का दृश्य